**कोयला मंत्रालय तथा एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) के बीच वर्ष 2019-20 के लिए दिनांक 15.05.2019 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) की मुख्य विशेषताएं**

- एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) ने कोयला मंत्रालय (एमओसी) के साथ दिनांक 15.05.2019 को नई दिल्ली में वित्त वर्ष 2019-20 के लिए अपने मुख्य कार्य-निष्पादन के लिए अनिवार्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इस एमओयू पर प्रशासनिक मंत्रालय (एमओसी) की ओर से श्री सुमंता चौधरी, सचिव, भारत सरकार, एमओसी और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (एनएलसीआईएल) की ओर से श्री राकेश कुमार, अध्यक्ष-सह प्रबंध निदेशक, एनएलसीआईएल द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे।
- उत्कृष्ट स्तर पर विद्युत उत्पादन का लक्ष्य 24500 एमयू निर्धारित किया गया है।
- टर्नओवरः प्रचालनों से अर्जित राजस्व 8700 करोड़ रु. निर्धारित किया गया है।
- प्रचालन अनुपात से प्रचालन लाभ/राजस्व 18.00% निर्धारित किया गया है।
- उत्पादन क्षमता संबधी एक नया मानदंड-"गत वर्ष की तुलना में आउटपुट/मैनशिफ्ट (ओएमएस)" में सुधार- लिग्नाइट-नेयवेली खान- (विभागीय) शामिल किया गया है।
- आर एंड डी मानदंड के संबंध में: "बकेट व्हील एक्सकेवेटर के 1500 के.डब्ल्यू बकेट व्हील गियर बॉक्स का स्वदेशीकरण (मेक इन इंडिया नीति के भाग के रुप में)" शामिल किया गया है।
- उत्कृष्ट स्तर पर 8271 करोड़ रु. की सीएपीईएक्स (सहायक कंपनियों सहित) निर्धारित की गई है।
- सीपीएसई कॉन्क्लेव की चुनौतियों से एक मानदंड " गत वर्ष की तुलना में आयात बिल में कटौती" एमओयू 2019-20 में शामिल की गई है।
- वर्ष 2019-20 के लिए एमओयू डीपीई के नए दिशा-निर्देशों के आधार पर तैयार किया गया है और इसे पूर्व वार्ता समिति तथा अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) के साथ विचार-विमर्श करने के बाद इसे अंतिम रुप दे दिया गया है।

****

**कोयला मंत्रालय तथा कोल इंडिया लिमिटेड के बीच वर्ष 2019-20 के लिए दिनांक 15.05.2019 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) की मुख्य विशेषताएं**

- कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने कोयला मंत्रालय (एमओसी) के साथ दिनांक 15.05.2019 को नई दिल्ली में वित्त वर्ष 2019-20 के लिए अपने मुख्य कार्य-निष्पादन के लिए अनिवार्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इस एमओयू पर श्री सुमंता चौधरी, सचिव, भारत सरकार, एमओसी की ओर से और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीआईएल) की ओर से श्री अनिल कुमार झा, अध्यक्ष, सीआईएल द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे।
- जैसा कि, एमओयू-2019-20 में निर्धारित किया गया है, महारत्न कोयला खनन पीएसयू को विगत वर्ष की तुलना में 8.75% वृद्धि के साथ कोयला उत्पादन में बढ़ोतरी करनी है। सीआईएल ने वित्त वर्ष 2018-19, 606.88 मिलियन टन के कोयला के साथ बंद किया।
- अतः वर्ष 2019-20 के लिए कोयले का उत्पादन और उठान का लक्ष्य 660 मि.ट. है।
- इसी प्रकार, प्रचालनों से राजस्व का लक्ष्य (निवल) 100000 करोड़ रु. और पूंजी व्यय (कैपेक्स) लक्ष्य 10000 करोड़ रु. निर्धारित किया गया है।
- इसके अलावा, एमओयू को अधिक व्यापक बनाने हेतु उत्पादन दक्षता तथा मानव संसाधन मानक शामिल किए गए हैं।
- साथ ही, एमओयू 2019-20 में सीपीएसआई कॉन्क्लेव से सम्बन्धित मानदंड भी शामिल की गई मुख्य विशेषता है।
- वर्ष 2019-20 के लिए एमओयू डीपीई के नए दिशा-निर्देशों के आधार पर तैयार किया गया है और पूर्व वार्ता समिति तथा अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) के साथ विचार-विमर्श करने के बाद इसे अंतिम रुप दे दिया गया है।

****